अक्षय तृतीया पर शुभ कामना

तुम सदा से जगत में हो शौर्य के प्रतिमान।
कर दिया है सिद्ध बल से श्रेष्ठ तर विज्ञान।
एक तुम ही रह सके जग जीत कर निष्काम।
नमन तुम को रेणुका सुत हे परशुधर राम। ।

किया विस्मृत जिस दिवस से आपका आदर्श।
झेलता आया सतत आस्कन्द भारत वर्ष।
नहीं जब तक हाथ में हो शुभ्र कान्ति कुठार।
बहुत फलप्रद नहीं रहता शास्त्र पर अधिकार। ।

शिव कुमार मिश्र
10:05:2024
अक्षय तृतीया वैशाख शुक्ल तृतीया
2081 विक्रम।
भोपाल।